भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2831 का उत्तर

एरणाकुलम मार्शलिंग यार्ड का एक नए रेलवे टर्मिनल के तौर पर विकास

2831. श्री हैबी ईडन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या एरणाकुलम क्षेत्र में स्थित रेलवे स्टेशन गंभीर क्षमता संबंधी बाधाओं का सामना कर रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने मध्य केरल में भीड़भाड़ को कम करने और ट्रेन परिचालन में सुधार के लिए एरणाकुलम मार्शलिंग यार्ड, जहां रेलवे के पास लगभग 110 एकड़ भूमि है, को एक नए टर्मिनल के रूप में विकसित करने पर विचार किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या एरणाकुलम मार्शलिंग यार्ड में प्रस्तावित टर्मिनल के लिए कोई मास्टर प्लान है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार प्रशासनिक प्रक्रियाओं में तेजी लाने के लिए कदम उठाएगी ताकि एरणाकुलम मार्शलिंग यार्ड टर्मिनल को विकसित करने का प्रस्ताव बिना किसी अतिरिक्त विलंब के आगे बढ़ सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या एरणाकुलम मार्शलिंग यार्ड में रेलवे की लगभग 110 एकड़ भूमि उपयोग में नहीं लाई गई है/कम उपयोग में लाई गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): एरणाकुलम क्षेत्र को एरणाकुलम जंक्शन और एरणाकुलम टाउन रेलवे स्टेशन द्वारा सेवित किया जाता है।

एरणाकुलम जंक्शन स्टेशन को प्रतिदिन 136 यात्री गाड़ियों से सेवित किया जाता है। साथ ही, स्टेशन से प्रतिदिन 08 मालगाड़ियां चलाई जाती हैं। वर्तमान में, एरणाकुलम जंक्शन स्टेशन पर निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं:

- 10 लाइनें
- 06 प्लेटफॉर्म
- 03 पिट लाइनें
- 06 स्टेबलिंग लाइनें

इसके अलावा, एरणाकुलम टाउन स्टेशन को प्रतिदिन 107 यात्री गाड़ियों से सेवित किया जाता है। साथ ही, स्टेशन से प्रतिदिन 08 मालगाड़ियां चलाई जाती हैं। वर्तमान में, एरणाकुलम टाउन स्टेशन पर निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं:

- 04 लाइनें
- 02 प्लेटफॉर्म

कोचिंग टर्मिनल/कोचिंग अनुरक्षण डिपो की योजना और निष्पादन अनुमानित यात्रियों की संख्या, यातायात रुझान, परिचालनिक और अनुरक्षण आवश्यकताओं और भविष्य में किए जाने वाले विकास की आवश्यकताओं के आधार पर किया जाता है।

एरणाकुलम मार्शलिंग यार्ड में 59.57 एकड़ रेल भूमि उपलब्ध है, जिसे रेल सुविधाओं और विकासात्मक कार्यों के लिए उपयोग करने की योजना तैयार की गई है।

इसके अतिरिक्त, केरलम में क्षमता में सुधार लाने और रेल नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए निम्नलिखित सर्वेक्षण/कार्य शुरू किए गए हैं:

क्र.सं.	परियोजना	स्थिति
1	मंगलुरू - कासरगोड - षोरणूर तीसरी लाइन (307 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण स्वीकृत कर दिया गया है। फील्ड सर्वे का कार्य पूरा हो गया है।
2	षोरणूर-एरणाकुलम तीसरी और चौथी लाइन (107 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण स्वीकृत कर दिया गया है। फील्ड सर्वे का कार्य पूरा हो गया है।

3	एरणाकुलम - कायमकुलम तीसरी लाइन (कोट्टयम के रास्ते) (115 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण स्वीकृत कर दिया गया है। यातायात सर्वेक्षण पूरा हो गया है।
4	कायमकुलम - तिरुवनंतपुरम तीसरी लाइन (105 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण स्वीकृत कर दिया गया है। फील्ड सर्वेक्षण का कार्य पूरा हो गया है।
5	तिरुवनंतपुरम - नागारकोविल तीसरी लाइन (71 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण स्वीकृत कर दिया गया है।
6	षोरणूर-कोयम्बटूर तीसरी और चौथी लाइन (99 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण स्वीकृत कर दिया गया है। फील्ड सर्वेक्षण का कार्य पूरा हो गया है।
7	एरणाकुलम - कुम्बलम दोहरीकरण (8 कि.मी.)	808 करोड़ रुपए की लागत पर कार्य हाल ही में स्वीकृत किया गया है।
8	कुम्बलम - तूरवुर दोहरीकरण (16 कि.मी.)	1,172 करोड़ रुपए की लागत पर कार्य हाल ही में स्वीकृत किया गया है।
9	तूरवुर - मारारिक्कुलम दोहरीकरण (21 कि.मी.)	451 करोड़ रुपए की लागत पर कार्य स्वीकृत किया गया है।
10	मारारिक्कुलम - आलप्पुषा दोहरीकरण (11 कि.मी.)	221 करोड़ रुपए की लागत पर कार्य हाल ही में स्वीकृत किया गया है।
11	आलप्पुषा - अम्बलप्पुषा दोहरीकरण (13 कि.मी.)	324 करोड़ रुपए की लागत पर कार्य हाल ही में स्वीकृत किया गया है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को पूरा करने के पश्चात, परियोजना को स्वीकृति देने के लिए विभिन्न हितधारकों सहित राज्य सरकारों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदनों जैसे कि नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि के मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। चूंकि परियोजनाओं को स्वीकृति देना एक सतत एवं गतिशील प्रक्रिया है, निश्चित समय-सीमा विभिन्न हितधारकों द्वारा मूल्यांकन और अनुमोदन पर निर्भर करती है।

केरलम:-

रेल बजट:-

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। केरलम राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं एवं संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	372 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2026-27	₹3,795 करोड़ रुपए (10 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:-

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, केरलम में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 11,650 करोड़ की लागत की 302 कि.मी. लंबाई वाली 09 परियोजनाएँ (03 नई लाइन और 06 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	03	148	0	317
दोहरीकरण/बहुपथन	06	154	40	3,550
कुल	09	302	40	3,867

हाल ही में पूरी की गईं परियोजनाएं:

केरलम राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गईं कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	दिंडुक्कल-पालघाट और पोल्लाच्चि-कोयम्बतूर आमान परिवर्तन (217 किलोमीटर)	1,360
2	कोल्लम-तिरूच्चेंदूर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर)	1,122
3	मुलंतुरुती-कुरूप्पनत्तरा दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	303
4	चेंगन्नूर-चिंगवनम दोहरीकरण (27 किलोमीटर)	436
5	अम्बलप्पुझा-हरिप्पाड दोहरीकरण (18 किलोमीटर)	346
6	कुरूप्पनतरा-चिंगवनम दोहरीकरण (27 किलोमीटर)	749

चालू परियोजनाएं:-

केरलम राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली शुरू की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	अंगमालि - सबरीमाला नई लाइन (111 किलोमीटर)	3,801
2	एरणाकुलम - कुम्बलम दोहरीकरण (8 किलोमीटर)	808
3	कुम्बलम - तुरवूर दोहरीकरण (16 किलोमीटर)	1,172
4	त्रिवेंद्रम - कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 किलोमीटर)	4,494
5	आलप्पुष़ा - अंबलप्पुष़ा दोहरीकरण (13 किलोमीटर)	324
6	तूरवुर - मारारिक्कुलम दोहरीकरण (21 किलोमीटर)	451
7	मारारिक्कुलम - आलप्पुष़ा दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	221

केरलम राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में हुए विलंब के कारण रुका हुआ है। केरलम राज्य में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

केरलम में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	618 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	78 हेक्टेयर (13%)
अधिग्रहण के लिए शेष भूमि	540 हेक्टेयर (87%)

रेलवे ने केरलम सरकार के पास भूमि अधिग्रहण के लिए 1,976 करोड़ रुपए जमा किए हैं। भूमि अधिग्रहण कार्यों में तेजी लाने के लिए केरलम सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अपेक्षित कुल भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत किए जाने हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	अंगमालि-सबरीमाला नई लाइन (111 किलोमीटर)	304	25	279
2.	एरणाकुलम - कुम्बलम कहीं-	4	3	1

	कहीं दोहरीकरण (8 किलोमीटर)			
3.	कुम्बलम-तुरवूर कहीं-कहीं दोहरीकरण (16 किलोमीटर)	10	9	1
4.	षोरणूर - वल्लत्तोल दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	5	0	5

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए पूरी तरह तैयार है, बहरहाल इसकी सफलता केरलम सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधि की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति

- **परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

<u>स्टेशन पुनर्विकास:-</u>

रेल मंत्रालय ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास के लिए एरणाकुलम टाउन और एरणाकुलम जंक्शन रेलवे स्टेशन को चिह्नित किया है। एरणाकुलम टाउन और एरणाकुलम जंक्शन स्टेशनों पर प्रगति नीचे दी गई है:

एरणाकुलम जंक्शन स्टेशन पर, पूर्वी टर्मिनल भवन, पश्चिमी टर्मिनल भवन, बहु-स्तरीय कार पार्किंग और सेवा भवन के अवसंरचनात्मक कार्य शुरू किए गए हैं। रेलपथ डिपो और रेलपथ कार्यालय के संरचनात्मक कार्य पूरे किए गए हैं और फिनिशिंग कार्य शुरू किए गए हैं।

एरणाकुलम टाउन रेलवे स्टेशन पर, पश्चिमी टर्मिनल भवन- खंड 1, बहु-स्तरीय कार पार्किंग, आवासीय टावर का संरचनात्मक कार्य और पैदल पार पुल के लिए नींव का कार्य पूरा किया गया है। बहु-स्तरीय कार पार्किंग, पश्चिमी टर्मिनल भवन (खंड 1) का फिनिशिंग कार्य और पैदल पार पुल के अधिसंरचना कार्य शुरू किए गए थे। बहरहाल, कार्य की धीमी प्रगति के कारण, संविदा समाप्त कर दी गई है और पुन: निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इस योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने तथा उनके लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध रूप से कार्यान्वयन करना शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए, मास्टर प्लान में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार**
- **रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण**
- **स्टेशन भवन का सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठक व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे की व्यवस्था**
- **लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था**

- **प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर की व्यवस्था**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था**
- **पार्किंग क्षेत्र का विकास**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **एयर कॉनकोर्स, एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमोडाल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि।**

इस योजना में दीर्घावधि में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार संवहनीय और पर्यावरण अनुकूल समाधानों तथा रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की संकल्पना भी की गई है। अब तक, इस योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1,340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें 35 स्टेशन एरणाकुलम जंक्शन और एरणाकुलम टाउन रेलवे स्टेशन केरलम में स्थित हैं। केरलम में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
केरलम	35	अलाप्पुझा, अंगाडिप्पुरम, कालडि के लिए अंगमालि, चालक्कुडि, चंगनास्सेरी, चेंगन्नूर, चिरयिनकीझ, एरणाकुलम, एरणाकुलम टाउन, एट्टुमानूर, फेरोक, गुरुवायुर, कण्णूर, कासरगोड, कयनकुलम जं., कोल्लम जं., कोझिकोड, कुट्टिप्पुरम, मावेलिक्कारा, नेय्यातिनकरा, नीलांबुर रोड, ओट्टापालम, परप्पनांगडी, पैय्यनूर, पुनालूर, षोरणूर जं., थलस्सेरी, तिरुवनंतपुरम सेंट्रल, त्रिशूर, तिरूर, तिरुवल्ला, त्रिपुनिथुरा, वडकारा, वर्कला शिवगिरी, वडक्कनचेरी

<u>स्टेशन जहां कार्य पूरा किया गया है:-</u>

केरलम में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। केरलम में जिन स्टेशनों पर कार्य पूर्ण कर लिया गया है, उनका ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
केरलम	16	कालडि के लिए अंगमालि, चालक्कुडि, चंगनास्सेरी, चिरयिनकीझ, फेरोक, गुरुवायुर, कुट्टिप्पुरम, मावेलिक्करा, नीलांबुर रोड, परप्पनांगडी, षोरणूर जंक्शन, थलस्सेरी, तिरूर, त्रिपुनिथुरा, वडकारा, वडक्कनचेरी

अन्य स्टेशनों पर भी विकास गतिविधियां तीव्र गति से शुरू की गई हैं तथा कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- **कासरगोड स्टेशनः स्टेशन भवन में सुधार, नए प्रवेश प्रांगण, बुकिंग कार्यालय तथा कॉनकोर्स में सुधार, प्लेटफार्म संख्या 2 तथा 3 की प्लेटफार्म सतह में सुधार, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्लेटफार्म शेल्टर, लिफ्ट में सुधार, कोच इंडिकेशन बोर्ड की संस्थापना तथा दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं में सुधार के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। प्लेटफार्म संख्या 1 के विस्तार, 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, एस्केलेटर तथा द्वितीय प्रवेश द्वार पर पार्किंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**
- **अंगाडिप्पुरम स्टेशन: स्टेशन भवन, नए प्रांगण, कॉनकोर्स, बुकिंग कार्यालय, प्लेटफार्म शेल्टर में सुधार, प्लेटफार्म संख्या 1 तथा 2 की प्लेटफार्म सतह में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार, पहुंच मार्ग, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड, गाड़ी संकेतक बोर्ड, संकेतक तथा लिफ्ट की संस्थापना के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।**
- **पैय्यनूर स्टेशन: प्लेटफार्म संख्या 2 तथा 3 की ऊंचाई बढ़ाने, प्लेटफार्म शेल्टर, कॉनकोर्स में सुधार, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय, द्वितीय प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड तथा गाड़ी संकेतक बोर्ड की संस्थापना के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन में सुधार, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल तथा लिफ्ट के कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **कोल्लम जंक्शन स्टेशन: सर्विस भवन, मल्टी लेवल कार पार्किंग तथा पार्सल भवन के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, एयर कॉनकोर्स, नार्थ टर्मिनल भवन, साउथ टर्मिनल भवन तथा प्लेटफार्म उन्नयन के कार्य शुरू किए गए हैं।**

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए फायर क्लीयरेंस, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन क्लीयरेंस इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करने (जिनमें जल/मलजल लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

****